

## धर्मप्रांतीय उपासना आणि संगीत आयोग - पवित्र आठवडा २०२०

| झावळयांचा रविवार ०५ एप्रिल २०२० |                                   |            | पवित्र गुरुवार ०९ एप्रिल २०२० |   |            |
|---------------------------------|-----------------------------------|------------|-------------------------------|---|------------|
| मिरवणुकीच्या आधी                | टाळयांचा गजरी<br>वैभवाच्या राजा   | २९१<br>२९० | प्रवेश गीत                    | वात्सल्याने प्रभूच्या<br>चला जाऊ या         | १९<br>१७   |
| मिरवणुकीच्या वेळी<br>प्रवेश गीत | घोष करा जय घोष करा                | ३२४        | स्तोत्र गीत                   | प्रभूचे झाले बहू उपकार                      | १७६        |
| स्तोत्र गीत                     | मला का त्यजिले                    | २६०        | जयघोष                         | प्रेम जसे मी तुम्हा दिधले                   | २७०        |
| जयघोष                           | आज्ञाधरी झाला                     | २६९        | पायधुणी                       | नवीन आज्ञा तुम्हास माझी                     | १३७        |
| अर्पण गीत                       |                                   |            | अर्पण गीत                     | प्रेमे आणिली तुज अर्पिण्या                  | ९५         |
| कम्युनियन गीत                   | मी वेचिले फुलांना<br>तुझ्या मरणात | २७२<br>२५८ | कम्युनियन गीत                 | परस्परावर प्रेम करा<br>जेथे प्रेम दया शांती | ११३<br>११४ |

| पवित्र शुक्रवार १० एप्रिल २०२० |  |                   | ईस्टर जागरण विधी ११ एप्रिल २०२० |   |                |
|--------------------------------|--|-------------------|---------------------------------|---|----------------|
| स्तोत्र                        | हे वापा मी माझा आत्मा तुझ्या हाती<br>सोपवून देतो   |                   | अग्नीला आशीर्वाद                | धर्मगुरुः ख्रिस्त आमचा प्रकाश<br>उत्तरः धन्यवाद देऊ देवास                                 |                |
| जयघोष                          | आज्ञाधरी झाला  | २६९               | पुनरुस्थानाची विजयी<br>घोषणा    | ख्रिस्त आज विजयी झाला   |                |
| कुसवंदना                       |  |                   | पहिले वाचन / स्तोत्र            | वात्सल्याने प्रभूच्या   |                |
| धर्मगुरु                       | कुसाचे लाकुड पहा ख्रिस्त टांगला ह्या<br>वरती (३ वेळा)  |                   | दुसरे वाचन / स्तोत्र            | रक्षण कर माझे देवा<br>आलो शरणा तव चरणा<br>तूची माझा एकचि स्वामी<br>नसे मला सुख तुझ्याविणा |                |
| उत्तर                          | करु या वंदन कुसाला   |                   | तिसरे वाचन / स्तोत्र            | विजयी तुतारी फुंकिन मी किंवा<br>मी प्रभूला गीत गाईन                                       |                |
| कुसवंदनाच्या वेळी<br>गीते      | कुसाचे गाणे<br>प्रभू तुला भजतो<br>उत्तर दे मजला  | २५३<br>२५४<br>२५९ | चौथे वाचन / स्तोत्र             | हे प्रभो मी तुझी थोरवी गाईन   |                |
| ख्रिस्तशरीर                    | मानवाच्या न्यायकर्त्ता<br>तुझ्या मरणात<br>असा मी काय गुन्हा  | २४४<br>२५८<br>२६३ | पाचवे वाचन / स्तोत्र            | मुक्तीकुंडातून काढू उल्हासाने पाणी<br>हर्षभराने गाऊन मंगल<br>प्रभुरायाची वाणी             |                |
| इमेज कुसावरून<br>उत्तरविताना   | ख्रिस्त माझे प्रेम<br>कुसाशी खिले  | २६५<br>२६६        | सहावे वाचन / स्तोत्र            | शाश्वत वाणी जीवनाची<br>प्रभू राया रे तुज पाशी   |                |
| जादा गीते                      | तुजजवळ हे देवा घेईन आसरा<br>कुसासी खिले प्रभू हातीपायी<br>मला का त्यजिले<br>माझ्या गुन्ह्यासाठी<br>देवमाता दुःखी फार |                   | सातवे वाचन / स्तोत्र            | देवाच्या भेटीसाठी   | २७             |
|                                |  |                   | जयघोष                           | गा आलेलुया प्रभूला  |                |
|                                |  |                   | अर्पण गीत                       | जीवन माझे दान तुझेची  | ९८             |
|                                |  |                   | ख्रिस्तशरीर                     | आनंदी आनंद / प्रभू उठला<br>तो उठला  | २७८/२८७<br>२८१ |
|                                |  |                   | अंतिम गीत                       | एकच करु पुकार<br>करितसे मी नवीन सारे  | १७३<br>२८३     |

